केवल मूल्यांकनकर्ता के उपयोग हेतु!

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

32 पृष्ठीय

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे। प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)	प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1			17		
2			18		
3			19		
4			20		
5			21		
6			22		
7			23		
8			24		
9			25		
10			26		
11			27		
12			28		
13					
14					
15					
16					

कुल प्राप्तांक शब्दों में

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्रमाणित किया जाता है कि ... पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टि एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्राः नाम, ... एवं पदांकित संस्था के साथ की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा

परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा

R.D. THAKUR
U.M.S.
V.No.- 000909

(2)

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 2 के अंक = कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्र. 22 उत्तर =>

सेवा में,

सचिव
माध्यमिक शिक्षा मण्डल
भोपाल (म.प्र.)

विषय- अंकसूची की द्वितीय प्रतिलिपि हेतु प्रार्थना-पत्र।

महानुभव,

विनम्र निवेदन है मैं वर्ष 2023 में 10वीं की परीक्षा पास किया था। मैंने हाइस्कूल विद्यालय से अंकसूची भी प्राप्त किया था। लेकिन भूल-वश मेरी अंकसूची कहीं खो गई है। अत: महोदय जी से निवेदन है कि मुझे अंकसूची की द्वितीय प्रति प्रदान करने की कृपा करें। मेरे विषय में जानकारी नीचे

-51029

2. नाम - रघुवीर गौतम
3. वर्ष - 2023

प्रार्थी,
रघुवीर गौतम, समनापुर

दिनाँक- 25/02/25

3

कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्र.21 उत्तर => रात्रि की - - - - - - - - दौड़ जाती थी।

सन्दर्भ => प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक आरोह के 'पहलवान के ढोलक' नामक पाठ से लिया गया है। इसके कवि 'फणीश्वर नाथ रेणु' जी हैं।

प्रसंग => प्रस्तुत गद्यांश में कवि ने बताया है कि पहलवान का ढोलक मृत गाँव में संजीवनी शक्ति भरती है।

व्याख्या => प्रस्तुत गद्यांश में लेखक कहते हैं कि अमावस्या की छुड़ी काली रात की भयानक दशा को केवल पहलवान का ढोलक ही ललकार कर चुनौती देता रहता था। पहलवान संध्या से सुबह तक ढोलक बजाता रहता था। जो गाँव के अर्द्धमृत लोगों में संजीवनी शक्ति भरती रहती थी। पूरा गाँव मलेरिया तथा हैजे से दुखित था उन लोगों के पास इन रोगों का कोई दवाई तथा उपचार नहीं था। महामारी से ग्रसित बच्चों, बूढ़ों तथा जवानों में ढोलक की आवाज से उनके सामने दंगल का दृश्य आ जाता था। उनके नसों बिजली सी दौड़ जाती थी। ऐसे में उन अर्द्धमृत लोगों को मौत से भय नहीं लगता था।

B
S
E

योग कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

विशेष => ① गद्यांश में बताया गया है कि ढोलक की आवाज मृत गाँव में संजीवनी शक्ति भरती है।

② सरल, सहज तथा खड़ी बोली का प्रयोग।

③ बूढ़े - बच्चे - जवानों जैसे सामासिक ~~शब्द~~ शब्दों का प्रयोग।

BSE

प्र.20. उत्तर => धूत कहौ ... ... देबको दोऊ।

सन्दर्भ => प्रस्तुत कविता हमारी पाठ्य पुस्तक आरोह के 'कवितावली (उत्तरकाण्ड)' से लिया गया है। इसके कवि 'तुलसीदास' जी हैं।

प्रसंग => प्रस्तुत कविता में कवि ने श्रीराम के ~~के~~ प्रति अपनी अनन्य भक्ति भाव का वर्णन किया है।

व्याख्या => प्रस्तुत कविता में कवि गोस्वामी तुलसीदास जी कहते हैं कि चाहे लोग मुझे त्यागा हुआ कहें, संन्यासी कहें, जाति से राजपूत कहें या जोलाहा कहें मुझे इन सब से कुछ फर्क नहीं पड़ता है।

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

क्योंकि मुझे न ही किसी की बेटी से अपने बेटे का विवाह करना है और न ही किसी की जाति बिगाड़नी है। तुलसीदास जी आगे कहते हैं कि मैं तो श्रीराम का दास तुलसीदास हूँ। लोग मुझे चाहे जिस नाम से पुकारना चाहते हैं पुकार सकते हैं मुझे इससे कुछ मतलब नहीं है। मैं माँग के खाता हूँ और मस्जिद में सोता हूं मुझे इस संसार से कुछ लेना-देना नहीं है।

विशेष => ① कवि ने श्रीराम के प्रति अपने भक्ति भाव को बताया है।

② सरल, सहज तथा ब्रजभाषा का प्रयोग।

③ मत्तगयंद छंद है।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्र.17. उत्तर => ① शीर्षक – मानव-श्रम का महत्त्व

② गद्यांश में मानव और उसका शरीर को विधाता की अनुपम रचना कहा गया है।

③ मनुष्य और उसका शरीर विधाता की अनुपम देन है जो निश्चय ही महान उद्देश्यों की पूर्ति के लिए दिया गया है। इस दुर्लभ तन को यदि हम, आलस्य, प्रमाद अथवा घटिया कामों में गँवा देते हैं तो विधाता के प्रति अन्याय करते हैं।

प्र.18. उत्तर =>

संवाद

पिताजी – पुत्र! तुम्हारी वार्षिक परीक्षा की तैयारी कैसे चल रही है?

पुत्र – पिताजी! मैंने सभी विषयों की पढ़ाई बहुत अच्छी तरह से की है।

मध्यप्रदेश
BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

पिताजी – किसी विषय में कुछ परेशानी तो नहीं है?

पुत्र – हाँ गणित तथा अंग्रेजी के विषय में थोड़ी कठिनाई आ रही है। लेकिन मैं कक्षा अध्यापक से प्रशिक्षण लूँगा।

पिताजी – ~~बेटा~~ मुझे तुमसे बहुत आशाएँ हैं। तुम अच्छी तरह पढ़ाई करो और एक सफल नागरिक बन कर देश की सेवा करो। बस यही मेरी इच्छा है।

पुत्र – जी पिताजी। मैं अच्छे अंकों से उत्तीर्ण होकर अपने जीवन में सफल होकर देश की सेवा करूँगा।

पिताजी – ठीक है पुत्र, मन लगा के पढ़ाई करना और किसी चीज की आवश्यकता हो तो बता देना।

पुत्र – जी पिताजी।

BSE
Kyet/Copier Label A

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL
मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

प्र. 23. उत्तर =>

निबंध : जल संरक्षण

रूपरेखा – 1. प्रस्तावना
2. जल संरक्षण की आवश्यकता
3. जल संरक्षण न करने से हानि
4. जल का महत्व
5. उपसंहार

B
S
E

1. प्रस्तावना => आज की आधुनिक दुनिया में जल एक ऐसी आवश्यकता बन गई है। जो लगातार कम होती जा रही है। जल हमारी जीवन के लिए अति महत्वपूर्ण है। जल की बर्बादी सभी प्राणियों के लिए एक समस्या का कारण बन रही है। जल संरक्षण करने से जल कमी को दूर किया जा सकता है अतः हमारा कर्तव्य बनता है कि हम जीवन दायनी जल रूपी अमृत का संरक्षण करें।

प्रश्न क्र.

2. जलसंरक्षण की आवश्यकता => रहिमन पानी राखिए बिन पानी सब सून।
पानी गए न ऊबरे, मोती मानुष चून॥

अर्थात: कवि रहीम जी कहते हैं कि पानी के बिन सूना हो जाएगा यदि हम पानी की संरक्षण नहीं करते हैं तो यह पानी फिर नहीं आएगा। अतः पानी अनमोल है। पानी की संरक्षण आवश्यकता बहुत अधिक है क्योंकि आज-कल पानी की कमी की समस्या बहुत अधिक है। अतः जल संरक्षण आवश्यक है।

3. जल संरक्षण न करने से हानि => यदि हम जल संरक्षण कर जल को बर्बादी से नहीं बचाएं तो आगे के आने वाली पीढ़ियों बहुत अधिक पानी की समस्या का सामना करना पड़ेगा। जल की कमी, सूखा, अकाल आदि आपदाओं का सामना करना पड़ेगा। अतः मनुष्य को जल संरक्षण करना चाहिए।

4. जल का महत्व => जल ही जीवन है। यदि जल नहीं तो जीवन नहीं जल के बिन कोई मनुष्य जीव-जन्तु तथा पेड़-पौधे जीवित नहीं रह सकते यदि जल की संरक्षण की व्यवस्था न किया जाए तो जल की बर्बादी यूँ ही होती रहेगी। जल हमारे पीने में, खाने में, तथा कई घरेलू कार्यों में आवश्यक है। अतः जल बहुत

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

महत्वपूर्ण है।

उपसंहार => पानी बचाओ जीवन बचाओ। पानी है तो ही धरती पर जीवन है अत पानी की रक्षा करना आवश्यक है।

प्र.17 उत्तर=>

जैनेन्द्र कुमार

1. रचना => त्यागपत्र, मुक्तिबोध

2. (1) भाषा => जैनेन्द्र कुमार की भाषा शुद्ध साहित्यिक खड़ी बोली रही है।

शैली => जैनेन्द्र कुमार जी ने विभिन्न शैलियों का प्रयोग किया है।

1. चित्रात्मक शैली।
2. वर्णात्मक शैली।
3. विवरणात्मक शैली।
4. भावात्मक शैली।
5. विचारात्मक शैली।

B S E

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL
मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

साहित्य में स्थान => जैनेन्द्र कुमार जी का हिंदी साहित्य में महत्वपूर्ण स्थान है। ये महान निबंध कार तथा कहानीकार थे। इन्होंने हिन्दी साहित्य के संग्रह में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

6 उत्तर =>

सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला

1. रचना => अनामिका, परिमल, गीतिका

2. भावपक्ष => ① प्रेम व सौन्दर्य का चित्रण => कवि निराला जी ने अपनी रचना में प्रेम व सौन्दर्य का यथार्थ चित्रण किया है।

② प्रकृति चित्रण => कवि निराला जी ने अपनी रचना में प्रकृति का यथार्थ चित्रण किया है।

कलापक्ष => भाषा => कवि निराला जी की भाषा शुद्ध साहित्यिक खड़ी बोली रही है।

शैली => कवि निराला जी ने मुक्तक तथा कुशीली शैली को अपनाया है।

अलंकार => निराला जी ने शब्दालंकार तथा अर्थालंकार दोनों का प्रयोग किया है।

B
S
E

प्रश्न क्र.

साहित्य में स्थान => कवि निराला जी छायावाद के महान कवि थे। इनका हिन्दी साहित्य में महत्वपूर्ण स्थान है।

प्र. 15. उ.

राष्ट्रभाषा	राजभाषा
① राष्ट्र भाषा पूरे देश की भाषा होती है।	① राजभाषा सरकारी काम-काज की भाषा होती है।
② राष्ट्रभाषा बहुसंख्यक की भाषा होती है।	② राजभाषा कम लोगों की भाषा होती है।

प्र. 14. उत्तर => ब्रेकिंग न्यूज => T.V. माध्यम में जब किसी खबर को कम से कम शब्दों में दर्शकों का खबर पहुँचाया जाता है तो उसे ब्रेकिंग न्यूज कहते हैं। जैसे- भारत 66 रनों से जीता।

Laser/Inkjet/Copier Label A4ST-16 99.1x33.9mmx16
SECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL
मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

प्र. 1 उत्तर (1) (अ) मित्र निमंत्रण

(2) (ब) कैमरे में बंद अपाहिज

(3) (अ) आठ

(4) (स) भी

(5) (द) नीले शंख जैसा

(6) (अ) संस्मरण

प्र. 2 उत्तर => (1) अवधि

(2) आम जनता की

(3) पतंग

(4) स्मृति की रेखाएँ

B
S
E

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश
BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

(5) आत्मकथा

(6) आनन्द रतन यादव

प्र. 2 (1) असत्य

(2) सत्य

(3) असत्य

(4) सत्य

(5) असत्य

(6) सत्य

6

प्रश्न क्र.

प्र.५. उत्तर => (अ) (ब)

(1) जिगौट — जैन का पुत्र

(2) बिम्ब — शब्द चित्र

(3) कुम्भ — केवल प्रथम भी

(4) अतीत में दबे पाँव — यात्रा वृत्तांत

(5) फ्रीलांसर पत्रकार — अलग-अलग अखबारों में लेखन

(6) समस्या लेखन की शैली — [illegible]

(7) कॉलेज ऑफ प्रीस्ट्स — धार्मिक अनुष्ठान का स्थान

प्रश्न क्र.

(1) कब, कहाँ, क्यों, कैसे, क्या, किसे।

(2) नाटक, एकांकी, कहानी, उपन्यास

(3) फुलेरे

(4) 4 : 2 : 1

(5) शब्द और अर्थ के सम्बंध
(6) दोहा सोरठा
(7) चन्द्रकला चन्द्रकान्ता

प्र. 6. उत्तर => (1) अंधड़ => भावना रूपी आँधी है।

(2) बीज => विचार का प्रतीक है।

अतः 'छोटा मेरा खेत' कविता में अंधड़ का अर्थ भावना रूपी आँधी तथा बीज का अर्थ विचार रूपी बीज है।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION, MADHYAPRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्र. 7. उत्तर => 1. रीतिकाल की विशेषता =>

① प्रकृति चित्रण।

② भक्तिवाद की प्रधानता।

③ नारी के सौंदर्य का चित्रण

2. रचनाकार => 1. बिहारी 2. भूषण

प्र. 8. उत्तर => बाजार के चमक-धमक तथा आकर्षण को बाजार का जादू कहा है। यह जादू तब काम करता है जब मन खाली होता है और जब भरा होता है।

प्र. 9. उत्तर =>

नाटक	एकांकी
① नाटक में अनेक पात्र होता है।	① एकांकी में एक पात्र होता है।
② नाटक का आकार बड़ा होता है	② एकांकी का आकार छोटा होता है।
③ नाटककार - जयशंकर प्रसाद नाटक - चन्द्रगुप्त	③ ~~धर्मवीर भारती - [illegible]~~

B
S
E

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्र.20 उत्तर => यशोधर बाबू की विशेषता =>

1. परम्परावादी जीवन।
2. सादगी पसंद व्यक्ति।
3. दिखावा पसंद नहीं था।
4. यशोधर बाबू कर्म काण्ड के खिलाफ थे।

B S E

प्र. ~~२१~~ उत्तर => ~~(विरोधा भास अलंकार => जहाँ किसी किसी वस्तु में~~
~~वस्तु की विरोध क्रिया पदार्थ या गुण के~~

(विरोधाभास अलंकार => जहाँ क्रिया, पदार्थ तथा गुण में वास्तविक विरोध न होते हुए विरोध का आभास हो, वहाँ विरोधाभास अलंकार होता है।

उदा. — "मैं निज रोदन में राग लिए फिरता हूँ।
शीतल ~~वाणी~~ वाणी में आग लिए फिरता हूँ।

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 19 पर अंक = कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्र. 12. उत्तर =>

स्थायीभाव	संचारीभाव
1. ये मानव के हृदय में स्थायी रूप से विद्यमान होते हैं।	1. ये अस्थायी होते हैं।
2. इनका अस्तित्व हमेशा रहता है।	2. इनका अस्तित्व हमेशा नहीं रहता।
3. इनकी संख्या 10 है।	3. इनकी संख्या 33 है।

प्र. 13. उत्तर => ① महादेवी वर्मा विदुषी महिला थी।

② श्रीकृष्ण के अनेक नाम हैं

BSE